ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली

ब्रह्मपुत्र नदी, जिसे "ब्रह्मा की पुत्री" भी कहा जाता है, एक अन्तर्राष्ट्रीय नदी है। यह नदी तिब्बत, चीन, भारत और बंगलादेश से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। ब्रह्मपुत्र की लम्बाई 2880 किमी. है। इस नदी का अधिकतम निस्सरण 72,800 घन मीटर प्रति सैकेन्ड, गुवाहाटी में पांडू नामक स्थान पर पाया गया है। अधिकतम निस्सरण के अनुसार ब्रह्मपुत्र नदी का विश्व में 10वां स्थान है। इस नदी की घाटी का आसाम में बहुत तीखा झुकाव है, जिस कारण प्रचुर मात्रा में बालू रेत नदी के साथ बहता है। ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र 580, 000 वर्ग किमी. तक फैला हुआ है। इस नदी को तिब्बत (चीन) में "त्स्यांगपो" के नाम से जाना जाता है और अरुणाचल प्रदेश (भारत) में दिहांग और सियांग के नाम से पुकारा जाता है। बंगला देश मे यह नदी "जमुना" के नाम से जानी जाती है । ब्रह्मपुत्र नदी लम्बाई और आयतन में गंगा नदी से काफी बड़ी है। ब्रहमपुत्र नदी तिब्बत (चीन) में 1625 किमी., भारत में 918 किमी. तथा बंगला देश में 337 किमी. की दूरी तय करके बंगाल की खाड़ी में जाकर गिरती है। पूर्वोत्तर भारत में यह नदी पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर बहती है। इसके उत्तरी सिरे पर हिमालय पर्वत पड़ता है और दक्षिणी तट के साथ असम की पहाड़ियां पड़ती हैं। इस नदी घाटी की औसतन चौड़ाई 80 किमी. है।

ब्रह्मपुत्र नदी बंगलादेश में गोलुन्दो नामक स्थान पर गंगा नदी के साथ मिलती है। गंगा और ब्रह्मपुत्र का यह संगम आगे चलकर बंगाल की खाड़ी में समागम कर लेता है। ब्रह्मपुत्र नदी की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

जल ग्रहण क्षेत्र

तिब्बत (चीन) मे कुल जल ग्रहण क्षेत्र	293, 000 "
भूटान एवं भारत में कुल जल ग्रहण क्षेत्र	240, 00 "
बंगलादेश में कुल जल ग्रहण क्षेत्र	132, 000 "

ब्रहमपुत्र नदी का ढलान

तिब्बत में	1 : 385
भारत में चीन की सरहद से कोबो (भारत) तक	1 : 515
कोबो से धुबडी तक	1 : 6990
बंगलादेश में भारत सरहद से 60 किमी. की दूरी तक	1 : 11340
आगे 100 किमी. की दूरी तक	1 : 12360
और आगे 100 " " "	1 : 37780

निस्सरण

पाण्डू में अधिकतम निस्सरण (23.8.62)	72, 794 क्यूमेक
पाण्डू में न्यूनतम निस्सरण (20.2.68)	1, 757 क्यूमेक
पाण्डू में शुष्क ऋतु में औसतन निस्सरण	4, 420 क्यूमेक

तूहीराम हंस, शोध सहायक, क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

सामान्य वार्षिक वर्षा

आसाम के कामरुप जिले में	2125 मिमी.
अरुणाचल प्रदेश के तिराप जिले में	4142 "

ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियां:

कोबो (भारत) से कुछ दूरी पर ब्रह्मपुत्र नदी में मिलने वाली प्रमुख नदियां दिबांग, लोहित एवं दिहांग हैं। ब्रहमपुत्र के उत्तरी सिरे पर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियां सुबान सरी, जय भारेली, धानसिरी (उत्तरी) पुथीमारी, पगलडिया, मानस, चमपामति और सन्कोश इत्यादि हैं जो कि पूर्वी हिमालय क्षेत्र से निकलती हैं। ब्रहमपुत्र के दक्षिणी सिरे पर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियां बूढ़ी दिहिंग, दिसांग, दिखु, धान सिरी (दक्षिणी) और कोपली इत्यादि हैं। ब्रह्मपुत्र की कई अन्य प्रमुख सहायक नदियां हैं जो उत्तरी बंगाल से निकलती हैं। ये हैं- तिस्ता, जल ढाका, तोरसा, काल जानी एवं रइदाक इत्यादि।

ब्रहमपुत्र के उत्तरी एवं दक्षिणी सिरों पर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियां और उनकी लम्बाई नीचे दी गई है:

उत्तरी सिरे की सहायक नदियां	लम्बाई (किमी.)
सिमेन	580
जिया घोल	540
सुबान सिरी	430
बुरइ	392
बारगंगा	382
जय भारेली	338
गमारु	300
बेलसिरी	280
धानसिरी (उत्तरी)	270
नोनदी	230
नानइ नदी	215
पुथीमारी	172
पगलडिया	170
बेकी नदी	115
मानस	85
चम्पामती	63

दक्षिण सिरे की सहायक नदियां	लम्बाई (किमी.)
डिब्रू	592
बूढी दिहिंग	540
दिशांग	515
दिखु	505
झॉजी	495
धानसिरी दक्षिणी	420
कोपिली	220
कुलसी	140
देवसिला	130
दुधनई	108
कृष्णई	107
जिनारी	100
जिन्जीराम	00

ब्रहमपुत्र बेसिन की मुख्य विशेषताएं:

ब्रहमपुत्र के उत्तरी सिरे पर भारी वर्षा होती है। उत्तरी सिरे पर पहाड़ियां कम टिकाऊ हैं एवं मिट्टी का कटाव अधिकाधिक होता है। अतः उत्तरी किनारे की सहायक नदियां प्रचुर मात्रा में रेत अपने साथ बहाकर लाती हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी किनारे के साथ पहाड़ियां हैं। दक्षिणी सिरे से उत्तरी सिरे की तुलना में कम रेत नदी में बहकर आता है।

ब्रहमपुत्र नदी खंड:

ब्रह्मपुत्र नदी के बहाव, ढाल एवं अन्य प्रमुख सहायक नदियों के मिलान को ध्यान में रखकर इसको मुख्यत: 7 (सात) खण्डों में बांटा गया है जिनका विवरण नीचे दिया गया हैं:

1. नदी के स्रोत से तिब्बत सरहद तक का खण्ड:

ब्रह्मपुत्र नदी जिसे तिब्बत में त्स्यांगपो के नाम से पुकारा जाता है, का स्रोत स्थान मानसारोवर झील के दक्षिण पूर्व में लगभग 63 किमी. की दूरी पर तथा 5300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। तिब्बत निवासियों के अनुसार नदी का स्रोत कंगलुंग कंग हिमनदी और हिमालय की कैलाश शाखा से निकलता है। बहुत सी छोटी-छोटी नदियां मयुमला मार्ग (5150 मीटर) और मरंयकला मार्ग (5303 मीटर ऊचाई) से होती हुई ब्रहमपुत्र में मिलती हैं। ये दोनो मार्ग ब्रहमपुत्र क्षेत्र को मानसरोवर झील से अलग करते हैं जिसमें भारत की अन्य दो महान नदियां सिन्धु और सतलुज निकलती हैं।

2. भारत तिब्बत (चीन) सरहद से कोबो तक का खण्ड:

भारत-चीन सरहद को पार करने के बाद ब्रह्मपुत्र का नाम अरुणाचल प्रदेश में सियांग या दिहांग पड़ जाता है। दिहांग नदी का यह खण्ड भारत-चीन सरहद से चेन 918 किमी. से शुरु होता है एवं कोबो में चेन 640 किमी. पर समाप्त होता है । इस खण्ड में नदी का औसतन ढलान 1 : 515 के अनुपात में है।

3. कोबो से दिहिंग मुख तक का खण्ड:

यह खण्ड कोबो में चेन 640 किमी. पर शुरु होता है और दिहिंग मुख में चेन 540 किमी. पर समाप्त होता है। इस खण्ड में ब्रह्मपुत्र नदी शरु में दक्षिण-पश्चिम की ओर बहती है और खण्ड के आखिर तक पश्चिम दिशा में बहती है।

4. दिहिंग मुख से धानसिरी मुख तक का खण्ड:

यह खण्ड चेन 540 किमी. से शरु होता है और धानसिरी मुख में चेन 410 किमी. पर समाप्त होता है।

5. धानसिरी मुख से पाण्डु तक का खण्ड:

यह खण्ड धानसिरी मुख चेन 410 किमी. से शुरु होता है और पाण्डु (गुवाहाटी) में चेन 198 किमी. पर समाप्त होता है। निमाती घार चेन 480 किमी. से तेजपुर चेन 335 किमी. तक नदी का ढलान 1: 6425 है और तेजपुर से गुवाहाटी चेन (205 किमी.) तक नदी का ढलान 1: 6750 है। पाण्डु में नदी 1.2 किमी. चौड़ी है जो कि आसाम घाटी में ब्रह्मपुत्र की सबसे कम चौड़ाई है। इस खण्ड में नदी पूरे वर्ष नाव चलाने की क्षमता रखती है। नदी के उत्तरी किनारे पर तेजपुर एवं दक्षिण किनारे पर गुवाहाटी इसी नदी खण्ड में पड़ते हैं।

6. पाण्डु से धुबड़ी तक का खण्ड:

इस खण्ड में नदी की कुल लम्बाई 198 किमी. है। इस खण्ड में नदी का ढलान 1: 8875 है।

7. धुबड़ी से अन्तिम गिराव तक का खण्ड:

धुबड़ी से गंगा के साथ संगम तक खण्ड की कुल लम्बाई 250 किमी. है। ब्रह्मपुत्र एवं गंगा का यह संगम अन्त में बंगाल की खाड़ी में गिरता है।